No. of Printed Pages : 6

MRDE-004

MASTER OF ARTS
(RURAL DEVELOPMENT)

Term-End Examination

June, 2019

04074

MRDE-004 : ENTREPRENEURSHIP AND RURAL DEVELOPMENT

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt all the **five** questions. All questions carry equal marks. Answers to questions no. 1 and 2 should not exceed 800 words each.*

1. Describe the entrepreneurial scenario in modern India prior to independence. *20*

OR

What are the principles of Cooperatives ? Differentiate between Cooperative organisations and Joint stock company. *20*

2. What is the importance of training in entrepreneurship development ? How can the rural entrepreneurs be trained through various schemes ? *20*

OR

Discuss the production management functions to manage a rural enterprise. *20*

3. Answer any ***two*** of the following questions in about 400 words each :

(a) Briefly explain the role of democratic state in entrepreneurship. *10*

(b) Describe the advantages and disadvantages of proprietorship. *10*

(c) How can one assess the working capital requirements ? *10*

4. Write short notes on any ***four*** of the following in about 200 words each :

(a) Project Identification *5*

(b) Pitfalls in managing a rural enterprise *5*

(c) Group Entrepreneurship *5*

(d) Poultry Industry *5*

(e) Market Economy *5*

(f) Entrepreneurial pursuits in medieval India *5*

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) The Parsis as Entrepreneurs *4*

(b) Role of Local Development Institutions in Entrepreneurship *4*

(c) Mixed Economy *4*

(d) Small Scale Industries in the Post-Independent Era *4*

(e) Advantages of a Company *4*

(f) Malpractices Impeding Entrepreneurial Growth *4*

(g) Cash Flow Management *4*

(h) Market Research *4*

एम.आर.डी.ई.-004

एम.ए. (ग्राम विकास)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2019

एम.आर.डी.ई.-004 : उद्यमशीलता एवं ग्राम विकास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर 800 शब्दों (प्रत्येक) से अधिक नहीं होने चाहिए ।*

---

1. स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले आधुनिक भारत में उद्यमशीलता के परिदृश्य का वर्णन कीजिए । *20*

अथवा

सहकारी समितियों के सिद्धांत कौन-से हैं ? सहकारी संगठनों एवं संयुक्त स्टॉक कंपनी के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए । *20*

2. उद्यमशीलता विकास में प्रशिक्षण का क्या महत्त्व है ? ग्रामीण उद्यमियों को किस तरह विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा सकता है ? *20*

अथवा

ग्रामीण उद्यम के प्रबंधन में उत्पादन प्रबंधन कार्यों की चर्चा कीजिए । *20*

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) उद्यमशीलता में लोकतांत्रिक राज्य की भूमिका की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए । *10*

(ख) एकल स्वामित्व के लाभ और दोषों का वर्णन कीजिए । *10*

(ग) कार्यशील पूँजी की आवश्यकताओं का मूल्यांकन कैसे किया जाता है ? *10*

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) परियोजना की पहचान करना *5*

(ख) ग्रामीण उद्यम प्रबंधन संबंधी अवरोध *5*

(ग) समूह उद्यमशीलता *5*

(घ) मुर्गीपालन उद्योग *5*

(ङ) बाज़ार अर्थव्यवस्था *5*

(च) मध्यकालीन भारत में उद्यमशीलता संबंधी प्रयास *5*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) उद्यमियों के रूप में पारसी समुदाय 4

(ख) उद्यमशीलता में स्थानीय विकास संस्थाओं की भूमिका 4

(ग) मिश्रित अर्थव्यवस्था 4

(घ) उत्तर-स्वतंत्रता काल में लघु पैमाने के उद्योग 4

(ङ) कंपनी के लाभ 4

(च) उद्यमों के विकास में बाधक कदाचार 4

(छ) नकदी प्रवाह प्रबंधन 4

(ज) बाज़ार शोध 4